

प्रेषक,

पी०के०महान्ति,

सचिव

उत्तरांचल शासन

सेवा में,

आयुक्त,

ग्राम्य विकास

उत्तरांचल पौड़ी ।

ग्राम्य विकास अनुभाग:

देहरादून:

दिनांक: ०३ अगस्त २००६

विषय:—राष्ट्रीय बायोगैस के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष २००५-२००६ में आवंटित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या ९२५/५-बजट/रा.बा./उ.प्र.प/०६-०७ दिनांक २१ जून २००६ एवं ६६६/५-बजट/रा.बा./०६-०७ दिनांक २ जून २००६ भारत सरकार के शासनादेश संख्या-५-४८/२००४-बी.जी. दिनांक ०८-०२-२००६ एवं ५-५/२००५-बी.जी. दिनांक २८.०२.०६ के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष २००१-०२ से २००४-०५ के अवशेष राशि रु० ५,०९,३४२.०० (पांच लाख नौ हजार तीन सौ बयालिस) एवं वर्ष २००५-०६ हेतु भारत सरकार द्वारा आवंटित धनराशि रु० ५०,००,०००.०० (रुपये पांच लाख मात्र) के सापेक्ष रुपये ५,००,०००-०० (रुपये पांच लाख मात्र) अर्थात् कुल रुपये १०,०९,३४२.०० (रु० दस लाख नौ हजार तीन सौ बयालिस मात्र) की श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष में व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं ।

२- उक्त आवंटित धनराशि की जनपदवार फांट इन जनपदों हेतु निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष अपने स्तर से नियमानुसार करें तथा अनुसूचित जातियों / जनजातियों हेतु योजना के अन्तर्गत विभाजन इन जातियों हेतु राज्य में लागू प्रतिशतता के आधार पर नियमानुसार किया जाय ।

३- उक्त धनराशि का आबंटन वर्तमान नियमों/आदेशों तथा निर्धारित मानकों के अनुसार किया जायेगा तथा भारत सरकार के दिशा निर्देशों का पालन भी सुनिश्चित किया जायेगा । धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जायेगा तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित समय में भारत सरकार/राज्य सरकार को उपलब्ध कराया जाये ।

४- उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग समय-समय पर भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्गत निर्देशों/ गाइडलाइन्स के अनुसार योजना के अंतर्गत किया जायेगा । धनराशि का एक मुश्त आहरण न कर आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा ।

५- उक्त पैरा २ से ५ तक में उल्लिखित शर्तों का अनुपालन विभाग में तैनात नियंत्रक / मुख्य/वरिष्ठ/सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो सुनिश्चित करेंगे । यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार विचलन हो तो सम्बंधित वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि सूचना सम्पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दे दी जाय ।

६- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष २००६-०७ के आय-व्ययक के अनुदान संख्या १९ के अंतर्गत लेखाशीर्षक-२५१५- अन्य ग्राम विकास कार्यक्रम-आयोजनागत-००-१०२-सामुदायिक विकास-०१-केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-१०१-राष्ट्रीय परियोजना बायोगैस विकास संयंत्रों की स्थापना (शत प्रतिशत के ० स०)-२०-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता की सुसंगत इकाईयों के नामें डाला जायेगा ।

७- उक्त स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय संख्या ८५/वित्त अनुभाग-४/२००६ दिनांक २८ जुलाई २००६ में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय

(पी०के०महान्ति)

संख्या: 884 / XI/06/56(69)/2003 तद् दिनांक 2

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार(लेखा एवं हकदारी)उत्तरांचल सहारनपुर रोड माजरा, देहरादून
- 2- सम्बन्धित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरांचल ।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल एवं कुमाऊँ मण्डल ।
- 4- सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तरांचल
- 5- सम्बन्धित मुख्य विकास अधिकारी/अधिशासी निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण उत्तरांचल
- 6- सम्बन्धित जिला विकास अधिकारी, उत्तरांचल ।
- 7- सम्बन्धित परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण उत्तरांचल ।
8. अनु सचिव, अपरांपरित ऊर्जा श्रोत्र मंत्रालय भारत सरकार बायोगैस डिवीजन लोधी रोड, नई दिल्ली ।
- 9- निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तरांचल, 23- लक्ष्मी रोड देहरादून ।
- 10- निजी सचिव- मा0 मुख्यमंत्री उत्तरांचल को मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ ।
- 11- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र उत्तरांचल देहरादून ।
- 12- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-4 उत्तरांचल शासन
- 13- गार्ड फाईल

आज्ञा से,

(*मल्लिकार्जुन खन्ना*)
मुख्य सचिव